# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रमाणित)

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

# विद्या-परिषद की

# 24वीं बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक : 4 मई, 2016 (बुधवार)

समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे

स्थान : सभा–कक्ष,
अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ
विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा–442001

विदेशी छात्रों का विदाई समारोह

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

## fo|k&ifj"kn dh 24oh cBd dk dk;oÙk

दिनांक : 4 मई, 2016 (बुधवार)

समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे

स्थान : सभा–कक्ष,
अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ
विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा

### ◈◈ fo"k; lph ◈◈


| en l- | fooj.k | i"B |
|---|---|---|
| 1 | विद्या–परिषद में नए सदस्यों का नामांकन एवं स्वागत | 2 |
| 2 | विद्या–परिषद की 23वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि | |
| 3 | 23वीं बैठक के कार्यवृत्त के अनुसरण में की गई अनुवर्ती कार्रवाई | 3 |
| 4 | सूचनार्थ विषय | |
| 5 | विभिन्न प्रस्तावों का कार्योत्तर अनुमोदन | 5 |
| 5.1 | अकादमिक कैलेण्डर 2015–16 में संशोधन | |
| 5.2 | संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र को पूर्ववत जनसंचार विभाग बनाया जाना | |
| 5.3 | विधि विद्यापीठ के अंतर्गत अध्ययन–अध्यापन | |
| 5.4 | 'विज्ञान विद्यापीठ' और 'प्रौद्योगिकी विद्यापीठ' की स्थापना तथा 'सृजन विद्यापीठ' को बंद किया जाना | |
| 5.5 | क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में संचालित एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम में सीटों की वृद्धि | |
| 5.6 | शोध परियोजना–2016 | |
| 5.7 | टीचिंग लर्निंग सेंटर फॉर हिंदी स्टडीज परियोजना | |
| 5.8 | 'भाषा विज्ञान विभाग' एवं 'भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' का 'भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' में विलय एवं तदनुसार विभागाध्यक्ष का कार्यकाल | |
| 5.9 | भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र का नाम परिवर्तन | |
| 5.10 | विदेशी विद्यार्थियों के शुल्क में आंशिक संशोधन | |
| 5.11 | सामुदायिक महाविद्यालय के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियाँ | |

| | | |
|---|---|---|
| 6 | विदेशी छात्रों को छात्रवृत्ति | 5 |
| 7 | विद्यार्थियों को वाहन सुविधा | 6 |
| 8 | क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में स्त्री अध्ययन में एम.ए. पाठ्यक्रम का आरंभ | |
| 9 | परीक्षा तुल्यता समिति के गठन एवं बैठक के कार्यवृत्त को स्वीकृति | |
| 10 | सीबीसीएस के अंतर्गत पाठ्यचर्या/कक्षाओं से संबंधित प्रपत्र पर विचार | 7 |
| 11 | शोध के दौरान निदेशक एवं छात्र को बदलने की प्रक्रिया | |
| 12 | प्रवेश समिति की विभिन्न बैठकों के कार्यवृत्त | |
| 13 | प्रो. देवराज, अनुवाद अध्ययन विभाग से प्राप्त प्रस्ताव | 8 |
| 14 | संस्कृति विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बारहवीं बैठक का कार्यवृत्त | |
| 15 | विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त | |
| 16 | भाषा विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बारहवीं बैठक का कार्यवृत्त | |
| 17 | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की चौथी बैठक का कार्यवृत्त | 9 |
| 18 | साहित्य विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की दिनांकः 02.05.2016 को हुई बैठक का कार्यवृत्त | |
| 19 | दूर शिक्षा निदेशालय के अध्ययन मंडल की छठी बैठक का कार्यवृत्त | |
| v/;{k dh vuefr ls vU; fo"k; | | |
| 20 | पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम | 10 |
| 21 | 'अर्न व्हाइल लर्न' योजना | |
| 22 | पी–एच.डी. सीटों का विज्ञापन | |
| 23 | विद्यार्थी प्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्ताव | |

# महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

## fo|k&ifj"kn dh 24oh cBd dk dk;oÙk

विद्या–परिषद की 24वीं बैठक कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक : 04.05.2016 (बुधवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के सभा–कक्ष, विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थिति निम्नानुसार थी:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. गिरीश्वर मिश्र | कुलपति एवं अध्यक्ष |
| 2. | प्रो. आनंद वर्धन शर्मा | प्रतिकुलपति |
| 3. | प्रो. कृष्ण कुमार सिंह | सदस्य |
| 4. | प्रो. लेला कारूण्यकरा | सदस्य |
| 5. | प्रो. मनोज कुमार | सदस्य |
| 6. | प्रो. अरबिंद कुमार झा | सदस्य |
| 7. | प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल | सदस्य |
| 8. | प्रो. सुरेश शर्मा | सदस्य |
| 9. | डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी | सदस्य |
| 10. | डॉ. अन्नपूर्णा सी. | सदस्य |
| 11. | डॉ. कृपाशंकर चौबे | सदस्य |
| 12. | डॉ. फरहद मलिक | सदस्य |
| 13. | डॉ. अनिल कुमार पांडेय | सदस्य |
| 14. | श्री जगदीप सिंह दांगी | सदस्य |
| 15. | प्रो. अनिल कुमार राय | सदस्य |
| 16. | प्रो. संतोष कुमार भदौरिया | सदस्य |
| 17. | प्रो. शंभु गुप्त | सदस्य |
| 18. | प्रो. देवराज | सदस्य |
| 19. | प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल | सदस्य |
| 20. | डॉ. रविंद्र टी. बोरकर | सदस्य |
| 21. | डॉ. शोभा पालीवाल | सदस्य |
| 22. | डॉ. प्रीति सागर | सदस्य |
| 23. | डॉ. पीयूष प्रताप सिंह | सदस्य |
| 24. | डॉ. धरवेश कठेरिया | सदस्य |
| 25. | डॉ. अवंतिका शुक्ला | सदस्य |
| 26. | डॉ. शंभू जोशी | सदस्य |
| 27. | डॉ. मैत्रेयी घोष | सदस्य |
| 28. | प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| 29. | प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित | सदस्य |
| 30. | श्रीमती चित्रा मुद्गल | सदस्य |
| 31. | सुश्री रजनी झा | सदस्य (छात्र प्रतिनिधि) |
| 32. | श्री रजनीश अग्रहरि | सदस्य (छात्र प्रतिनिधि) |
| 33. | श्री अनिल फरसोले | सदस्य (पूर्व छात्र) |
| 34. | सुश्री अर्चना थूल | सदस्य (पूर्व छात्र) |
| 35. | डॉ. सुप्रिया पाठक | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 36. | डॉ. सुरजीत कुमार सिंह | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 37. | डॉ. राजीव रंजन राय | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 38. | डॉ. अरुण प्रताप सिंह | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 39. | डॉ. शैलेष कदम मरजी | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 40. | सुश्री मैत्रेयी | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 41. | डॉ. हिमांशु शेखर | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 42. | डॉ. लेखराम दन्नाना | प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 43. | श्री राजेश कुमार यादव | प्रकाशन प्रभारी (विशेष आमंत्रित) |
| 44. | डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र | कुलसचिव एवं पदेन सचिव |

कुलसचिव द्वारा सूचित किया गया कि श्री लीलाधर मंडलोई तथा प्रो. संतोष कुमार भदौरिया से अपरिहार्य कारणवश बैठक में उपस्थित नहीं हो पाने की सूचना प्राप्त हुई है।

तदुपरांत बैठक की कार्यवाही आरंभ की गई एवं विचार–विम"ा के उपरांत निम्नलिखित निर्णय लिए गए :

## मद संख्या – 1

**<u>विद्या–परिषद में नए सदस्यों का नामांकन एवं स्वागत</u> :** अध्यक्ष द्वारा सूचित किया गया कि विश्वविद्यालय के परिनियम–4(1) के अंतर्गत कार्य–परिषद के अनुमोदन से प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, निदेशक, यूजीसी–ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी को प्रतिकुलपति के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय में दिनांक: 22.04.2016 को कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

पूर्व प्रतिकुलपति, प्रो. चित्तरंजन मिश्र के योगदान की सराहना की गई। नए सदस्य के रूप में प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, श्रीमती चित्रा मुद्गल, प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, सुश्री अर्चना थूल, सुश्री रजनी झा एवं श्री रजनीश अग्रहरि तथा पदेन सचिव के रूप में कुलसचिव का स्वागत किया गया।

नवनियुक्त अध्यापक एवं प्रभारी अध्यक्ष–डॉ. लेखराम दन्नाना, सुश्री मैत्रेयी एवं डॉ. हिमांशु शेखर द्वारा क्रमशः संस्कृत, अंग्रेजी तथा उर्दू में दिए गए परिचय तथा विश्वविद्यालय से जुड़ने पर विद्या–परिषद ने प्रसन्नता व्यक्त की।

## मद संख्या – 2

**<u>विद्या–परिषद की 23वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि</u> :** विद्या–परिषद की 23 जून, 2015 को वर्धा में हुई 23वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।

## मद संख्या – 3

**23वीं बैठक के कार्यवृत्त के अनुसरण में की गई अनुवर्ती कार्रवाई :** प्रस्तुत विवरण को नोट किया गया तथा निम्न निर्णय लिए गए :

| en l- | fu.k; |
|---|---|
| 3.6 | क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में संचालित 'सरल हिंदी' तथा 'सरल बांग्ला' में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम को परिवर्तित कर 'सरल हिंदी शिक्षण' तथा 'सरल बांग्ला शिक्षण' में डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ करने का विज्ञापन दिया गया था किंतु विद्यार्थियों की कम संख्या के परिप्रेक्ष्य में इसे स्थगित रखा गया।<br><br>अध्यक्ष द्वारा सूचित किया गया कि संकटापन्न भाषाओं *(Endangered Languages)* के लिए शोध सामग्री संकलन केंद्र 'पूर्वाशा' का प्रस्ताव यूजीसी को भेजा गया है। |
| 3.10 | मीडिया, प्रबंध तथा फिल्म अध्ययन के पाठ्यक्रम संचालन हेतु संयुक्त पायलट प्रोजेक्ट बनाने तथा उसे प्रारंभ में विश्वविद्यालय के इलाहाबाद एवं कोलकाता क्षेत्रीय केंद्रों में आरंभ करने का निर्णय लिया गया था। उक्त संदर्भ में प्रगति से विद्या–परिषद अवगत हुई। |
| 3.21 | ई–पुस्तकालय की प्रगति से पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया। |

➔ शेष मुद्दों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई को नोट कर उससे सहमति व्यक्त की गई।

## en l[;k & 4

**<u>सूचनार्थ विषय</u>** % विद्या–परिषद की दिनांकः 23.06.2015 को हुई 23वीं बैठक से अब तक विभिन्न क्षेत्रों में हुई अकादमिक एवं अन्य प्रगति से कुलपति द्वारा विद्या–परिषद को अवगत कराया गया।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णतः वाई–फाई सुविधायुक्त किया जा रहा है जिससे पहले से उपलब्ध वाई–फाई इंटरनेट सुविधा बेहतर ढंग से मिल सकेगी।

विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय विद्यालय आरंभ किया गया। इसमें सितंबर, 2015 से कक्षा–1 से कक्षा–5 तक की पढ़ाई आरंभ की गई तथा वर्ष 2016–17 से नया सत्र आरंभ हो चुका है। विद्या–परिषद अवगत हुई कि वर्धा जिले में यह एकमात्र केंद्रीय विद्यालय है तथा लोगों से इसे काफी उत्साहवर्धक समर्थन मिल रहा है।

अध्यक्ष द्वारा सूचित किया गया कि यूजीसी से 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत राशि प्राप्ति के लिए प्रयास किया गया था। जो राशि प्राप्त हुई उससे भवन निर्माण संबंधी काफी समय से रुके कार्यों में गति आई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा भक्ति के उच्च अध्ययन हेतु एक विशिष्ट केंद्र स्थापित करने के लिए भी यूजीसी को प्रस्ताव भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक समस्त पदों हेतु ऑनलाइन विज्ञापन के साथ–साथ शैक्षणिक पदों हेतु रोलिंग विज्ञापन संबंधी कार्रवाई आरंभ की गई है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से विभिन्न वृहद शोध परियोजनाओं की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त की गई।

नोट किया गया कि अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत चीन से भारतीय साहित्य और संस्कृति तथा हिंदी साहित्य के विद्वान, प्रो. जियाङ जिङ्कुइ विश्वविद्यालय में दिनांकः 14.01.2016 को पधारे। विश्वविद्यालय में पहले से अध्ययनरत चीनी विद्यार्थियों के साथ संपर्क करने के अलावा 15 जनवरी, 2016 को प्रो. जियाङ जिङ्कुइ का विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान आयोजित किया गया। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा उनके विश्वविद्यालय के साथ सहयोग की योजना पर काम शुरू किया गया है।

प्रो. अलेक्जेंडर स्तोल्यारोव और 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में हिंदी सेवी सम्मान से समादृत डॉ. इंदिरा गाजिएवा के नेतृत्व में रूस के राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, मॉस्को का एक 16 सदस्यीय दल विश्वविद्यालय परिसर में 25.01.2016 से 29.01.2016 तक रहा। उनके लिए व्याख्यान आयोजित हुए और संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें रूसी, चीनी तथा भारतीय छात्रों ने भाग लिया।

दल के विद्यार्थियों ने अपने इस दौरे को सार्थक बताते हुए विश्वविद्यालय में अध्ययन के प्रति अपनी इच्छा व्यक्त की। इस संबंध में उनके साथ एक अनुबंध भी किया गया।

अध्यक्ष ने बताया कि स्थानीय स्तर पर किए गए प्रयासों के तहत वर्धा की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से विद्यार्थियों के दल विश्वविद्यालय में अकादमिक भ्रमण हेतु आए जिन्हें पाठ्यक्रम संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विश्वविद्यालय की भूमिका, सामुदायिक महाविद्यालय के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियों का आरंभ, 21 फरवरी, 2016 को 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रो. बीना शर्मा की पुस्तक 'हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' के प्रकाशन, कॉर्पस निधि में अंशदान एवं उसकी उपयोगिता, आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों/व्याख्यानों, आवासीय लेखकों को आमंत्रण, साहित्य विद्यापीठ तथा भाषा विद्यापीठ के विद्यार्थियों एवं काव्य रचना में रुचि रखने वाले युवा अध्यापकों के लिए डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र के निर्देशन में एक कार्यशाला, राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के 18वें स्थापना दिवस के दौरान हुए कार्यक्रम, 26 नवंबर, 2015 को संविधान दिवस के रूप में मनाए जाने तथा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर 21 फरवरी, 2016 को 'मातृभाषा और सृजनात्मकता' विषय पर परिचर्चा के आयोजन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।

विद्या–परिषद पी–एच.डी. उपाधि प्राप्त करनेवाले शोधार्थियों की सूची, इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र की प्रगति सहित उपर्युक्त विवरण से अवगत हुई और इसके प्रति संतोष व्यक्त किया।

बिंदु संख्या–4.6 के अंतर्गत माननीय सदस्य, प्रो. अशोक श्रीवास्तव द्वारा यह प्रस्ताव दिया गया कि शिक्षा विद्यापीठ के अंतर्गत शिक्षा में पी–एच.डी. करने वाले शोधार्थियों को एनसीईआरटी से शोध–वृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए कहा जा सकता है। साथ ही, शिक्षा विद्यापीठ तथा अन्य संबंधित विषय के प्राध्यापकों को सूचित किया जाए कि वे अपने विषय से संबंधित परियोजना तैयार कर एनसीईआरटी को प्रेषित करें।

अध्यक्ष ने बताया कि ई–पीजी पाठशाला परियोजना के अंतर्गत हिंदी के स्नातकोत्तर स्तर के सात पाठ्यक्रम (पेपर) तैयार किए जाने का दायित्व यूजीसी द्वारा विश्वविद्यालय को सौंपा गया है जिसके संबंध में आवश्यक कार्रवाई जून, 2016 तक पूर्ण करने का प्रयास है।

अध्यक्ष द्वारा विश्वविद्यालय के गुणवत्ता संवर्धन हेतु आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ *(IQAC)* की प्रमुख अनुशंसाओं के आधार पर की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई और यह बताया गया कि इस संबंध में आगामी सत्र में विभागों का अकादमिक ऑडिट करवाया जाएगा। इलाहाबाद तथा कोलकाता के क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त प्रगति विवरण से भी विद्या–परिषद अवगत हुई।

en l[;k & 5

**<u>विभिन्न प्रस्तावों का कार्योत्तर अनुमोदन</u> :** विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए कुलपति द्वारा विशिष्ट परिस्थितियों में अधिनियम में प्रदत्त शक्तियों के तहत की गई निम्नलिखित कार्रवाई का कार्योत्तर अनुमोदन किया गया :

| Ø- l- | fooj.k |
|---|---|
| 5.1 | अकादमिक कैलेण्डर 2015–16 में संशोधन। |
| 5.2 | 'संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र' को पूर्ववत जनसंचार विभाग बनाना। |
| 5.3 | विधि विद्यापीठ के अंतर्गत अध्ययन–अध्यापन आरंभ करने हेतु कार्रवाई। |
| 5.4 | 'विज्ञान विद्यापीठ' और 'प्रौद्योगिकी विद्यापीठ' की स्थापना के प्रस्ताव को कुलाध्यक्ष को भेजना तथा अनधिकृत रूप से गठित 'सृजन विद्यापीठ' को बंद किया जाना। |
| 5.5 | क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में संचालित एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 20 से बढ़ाकर 30 करना। |
| 5.6 | अकादमिक गतिविधियों एवं शोध की गुणवत्ता को गति देने के उद्देश्य से शोध परियोजना–2016 के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा शोध प्रस्तावों को मूल्यांकन के उपरांत ₹ 75,000/– अनुदान दिया जाना। |
| 5.7 | महामना पं. मदन मोहन मालवीय शिक्षा मिशन योजना के अंतर्गत हिंदी का अध्ययन–अध्यापन केंद्र (टीचिंग लर्निंग सेंटर फॉर हिंदी स्टडीज) परियोजना के तहत विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में विभिन्न अकादमिक गतिविधियों के आयोजन एवं उन पर व्यय की मंजूरी। |
| 5.8 | 'भाषा विज्ञान विभाग' एवं 'भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' को 'भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' बनाया जाना एवं तदनुसार विभागाध्यक्ष का कार्यकाल निर्धारण। |
| 5.9 | 'भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र' का नाम 'विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र' किया जाना। |
| 5.10 | विदेशी विद्यार्थियों के शुल्क में आंशिक संशोधन। |
| 5.11 | सामुदायिक महाविद्यालय के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियाँ। |

en l[;k & 6

**<u>विदेशी छात्रों को छात्रवृत्ति</u> :** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के प्रचार–प्रसार एवं विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विदेशी विद्यार्थियों की अभिरुचि उत्पन्न करने के संबंध में चर्चा हुई। इसे दृष्टिगत रखते हुए अकादमिक सत्र 2016–17 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेनेवाले प्रथम 20 विदेशी विद्यार्थियों को ₹ 2,500/– प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने के निर्णय को स्वीकृति प्रदान की गई। यह छात्रवृत्ति उन्हीं को देय होगी जिन्हें भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद से किसी तरह की छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हो रही है।

साथ ही, भविष्य में विद्यार्थियों की संख्या एवं राशि के संबंध में समीक्षा के उपरांत पुनर्विचार करने के लिए कुलपति को अधिकृत किया गया।

en l[;k & 7

**विद्यार्थियों को वाहन सुविधा :** विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों को समय–समय पर वर्धा/नागपुर से विश्वविद्यालय परिसर तक आने–जाने हेतु वाहन की सुविधा सक्षम अधिकारी के निर्देशानुसार निःशुल्क उपलब्ध कराए जाने तथा विद्यार्थियों के लिए निर्धारित शुल्क में इस मद में कोई व्यवस्था नहीं होने के संबंध में विद्या–परिषद अवगत हुई।

कुलपति द्वारा यह भी सूचित किया गया कि वर्ष में दो बार यूजीसी/सीबीएसई की नेट परीक्षा हेतु परीक्षार्थियों की मांग एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण की अनुशंसा पर विश्वविद्यालय परिसर से नागपुर जाने एवं वापसी हेतु वाहन की निःशुल्क सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

उक्त संबंध में विस्तृत विचार–विमर्श के उपरांत विद्यार्थी हितार्थ निम्नांकित निर्णय लिए गए:

¼d½ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के विदेशी शोधार्थियों को आवश्यकतानुसार नागपुर एयरपोर्ट अथवा वर्धा/नागपुर रेलवे स्टेशन से विश्वविद्यालय परिसर तक लाने और छोड़ने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा वाहन की निःशुल्क सुविधा दी जाएगी।

¼[k½ सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं एम.ए. स्तरीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेनेवाले विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश के समय तथा पाठ्यक्रम की समाप्ति पर आवश्यकतानुसार नागपुर एयरपोर्ट अथवा वर्धा/नागपुर रेलवे स्टेशन से विश्वविद्यालय परिसर तक लाने एवं छोड़ने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा वाहन की सुविधा निःशुल्क दी जाएगी।

¼x½ यूजीसी/सीबीएसई द्वारा वर्ष में दो बार आयोजित नेट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण की अनुशंसा पर विश्वविद्यालय परिसर से नागपुर जाने एवं परिसर वापसी हेतु वाहन की निःशुल्क सुविधा विश्वविद्यालय द्वारा दी जाएगी।

en l[;k & 8

**क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में स्त्री अध्ययन में एम.ए. पाठ्यक्रम का आरंभ :** स्त्री अध्ययन विभाग की दिनांक 22.04.2016 को हुई विभागीय बैठक में क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में स्त्री अध्ययन में एम.ए. पाठ्यक्रम, संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रारंभ करने की अनुशंसा को स्वीकृति प्रदान की गई।

en l[;k & 9

**परीक्षा तुल्यता समिति के गठन एवं बैठक के कार्यवृत्त को स्वीकृति :** अध्यक्ष ने सूचित किया कि परीक्षा तुल्यता समिति एक स्थाई समिति होती है। विश्वविद्यालय के अध्यादेश–4.30 के अंतर्गत परीक्षा तुल्यता समिति में सदस्य नामित किए गए हैं। इसी के अंतर्गत विद्या–परिषद के सदस्यों में से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रो. दिविक रमेश तथा उनका कार्यकाल समाप्त होने पर प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित को तीन वर्ष के लिए सदस्य नामित किया गया है।

उपर्युक्त नामांकन तथा इसी परिप्रेक्ष्य में परीक्षा तुल्यता समिति की दिनांक 18.02.2016 को संपन्न बैठक के कार्यवृत्त को कार्योतर स्वीकृति प्रदान की गई।

en l[;k &10

**<u>सीबीसीएस के अंतर्गत पाठ्यचर्या/कक्षाओं से संबंधित प्रपत्र पर विचार</u> :** अध्यक्ष द्वारा सूचित किया गया कि विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2015–16 से सीबीसीएस पद्धति को स्वीकार किया गया है। इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सीबीसीएस के अंतर्गत पाठ्यचर्या/कक्षाओं से संबंधित प्रपत्र का प्रारूप प्रस्तुत किया गया है। विद्या–परिषद ने प्रपत्र को स्वीकृति प्रदान की और निर्णय लिया कि सीबीसीएस के अंतर्गत पाठ्यक्रम/कक्षाओं से संबंधित प्रपत्र सभी विभागों, केंद्रों तथा क्षेत्रीय केंद्रों के समस्त प्राध्यापकों के मध्य परिचालित किया जाए तथा इसे विभागाध्यक्षों को सौंपा जाए।

en l[;k &11

**<u>शोध के दौरान निदेशक एवं छात्र को बदलने की प्रक्रिया</u> :** विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की ओर से पिछले कुछ समय में शोध निदेशक बदलने एवं निदेशक की ओर से अधीनस्थ शोध छात्र को बदलने के प्रकरणों से विद्या–परिषद अवगत हुई।

समस्त तथ्यों तथा तत्संबंधी अध्यादेश के प्रावधान का संज्ञान लेते हुए यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय के पी–एच.डी. अध्यादेश–45 में संबंधित प्रावधान का अनुपालन किया जाए।

शोध कार्य के दौरान निदेशक एवं शोधार्थी बदलने के संबंध में पी–एच.डी. निर्धारित अवधि में अध्यादेश–45/2009 के पैरा संख्या–5.6 में आवश्यक संशोधन करने, शोधार्थी के शोध निर्देशक एवं विषय निर्धारित होने तक नॉन–नेट पी–एच.डी. शोधवृत्ति जारी न करने, एम.फिल पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होनेवाले शोधार्थियों को अवसर देने तथा संबंधित शिकायतों के निवारण के संबंध में एम.फिल. अध्यादेश में प्रावधान करने के लिए निम्न समिति गठित की गई :

| | | |
|---|---|---|
| प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल | : | अध्यक्ष |
| अधिष्ठाता छात्र कल्याण | : | सदस्य |
| डॉ. अवंतिका शुक्ल | : | सदस्य |
| डॉ. सुरजीत कुमार सिंह | : | सदस्य |
| श्री रजनीश अग्रहरि | : | सदस्य |

समिति से अनुरोध किया गया कि वह यथाशीघ्र अनुशंसा दे ताकि अगले अकादमिक सत्र में इन कठिनाइयों का निवारण हो सके।

en l[;k&12

**<u>प्रवेश समिति की विभिन्न बैठकों के कार्यवृत्त</u> :** अकादमिक सत्र 2016–17 के लिए विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए गठित समिति एवं ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया हेतु गठित उपसमिति की विभिन्न बैठकों के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।

en l[;k &13

**प्रो. देवराज, अनुवाद अध्ययन विभाग से प्राप्त प्रस्ताव :** प्रो. देवराज द्वारा निम्नांकित प्रस्तावों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया :

1. दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण केंद्र की स्थापना
2. शिक्षण–सामग्री निर्माण केंद्र की स्थापना
3. लोक अध्ययन एवं शोध केंद्र की स्थापना
4. भारतीय भक्ति आंदोलन अध्ययन केंद्र की स्थापना
5. अंतर्विभागीय अध्यापन हेतु प्राध्यापकों की सेवाएँ उपलब्ध कराना
6. विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित शोध कार्यक्रम पर पुनर्विचार
7. विश्वविद्यालय की प्रकाशन योजना पर पुनर्विचार
8. अकादमिक कार्यक्रमों के समन्वय की व्यवस्था पर पुनर्विचार
9. शैक्षणिक विभागों के पुनर्गठन पर विचार
10. अकादमिक–प्रशासन, शिक्षण एवं शोध की स्थिति पर विचार

प्रो. देवराज ने इन सभी विषयों पर सविस्तार विवेचन प्रस्तुत किया। विचार–विमर्श के उपरांत इनपर यथोचित कार्रवाई करने की पुष्टि की गई।

en l[;k &14

**संस्कृति विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बारहवीं बैठक का कार्यवृत्त :** संस्कृति विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की दिनांक 15.04.2016 को हुई 12वीं बैठक के कार्यवृत्त को संकायाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसे स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही, बौद्ध अध्ययन केंद्र की अध्ययन मंडल के कार्यवृत्त को भी अनुमोदित किया गया।

en l[;k &15

**विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त :** विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन मंडल की दिनांक 03.05.2016 को बैठक संपन्न हुई। विद्या–परिषद का मानना था कि पी–एच.डी. कार्यक्रम के लिए 'शोध का क्षेत्र' स्पष्ट होना चाहिए। इसकी सूचना समस्त विभागों से प्राप्त कर वेबसाइट पर डाली जाए।

बैठक में सुझाए गए संशोधन के अनुरूप कार्यवृत्त कुलपति के समक्ष प्रस्तुत करने एवं इसे अंतिम रूप देने के लिए कुलपति को अधिकृत किया गया।

en l[;k &16

**भाषा विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बारहवीं बैठक का कार्यवृत्त :** भाषा विभाग के अध्ययन मंडल की दिनांक 28.04.2016 को हुई बारहवीं बैठक के कार्यवृत्त को संकायाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मद संख्या–16 के अंतर्गत उल्लिखित बिंदुओं पर चर्चा के उपरांत निम्न निर्णय लिए गए:

¼d½ कुलपति द्वारा सूचित किया गया कि 'भाषाविज्ञान विभाग' एवं 'भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' दो विभागों को भाषा विद्यापीठ के प्रस्ताव पर 'भाषाविज्ञान एवं 'भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' एक विभाग बनाया गया है जिसे कार्य–परिषद की 56वीं बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई है।

¼[k½ नोट किया गया कि भाषा विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की दिनांक : 29.04.2016 को हुई बैठक में भारतीय भाषाओं के पाठ्यक्रमों को भाषा विद्यापीठ में ही संचालित करने के संबंध में आम सहमति नहीं बन पाई थी। कार्य–परिषद की 56वीं बैठक में इन्हें विभागों के रूप में जिनमें भाषा और साहित्य दोनों का अध्यापन होगा, साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित किए जाने के निर्णय को स्वीकृति प्रदान की गई।

¼X½ भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के पी–एच.डी. शोधार्थी, श्री संगीत रत्नायके के विशेष परिस्थिति में शोध निर्देशक बदलने के प्रकरण से विद्या–परिषद अवगत हुई।

¼?k½ विदेशी भाषा अध्ययन विद्यापीठ के गठन के संबंध में भविष्य में विधिवत विचार किया जाएगा।

➔ कार्यवृत्त के शेष बिंदुओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

## en l[;k &17

**मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की चौथी बैठक का कार्यवृत्त :**

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की दिनांक 02.05.2016 को हुई चौथी बैठक के कार्यवृत्त को संकायाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया।

जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री संदीप वर्मा को शोध निर्देशक बनाए जाने के संबंध में यह निर्णय लिया गया कि चूंकि वे स्वयं पी–एच.डी. के लिए पंजीकृत हैं, अतः वे सुव्यवस्थित ढ़ंग से पहले अपना शोधकार्य पूरा करें। तत्पश्चात् उन्हें शोध निर्देशक नियुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी। शेष कार्यवृत्त को स्वीकृति प्रदान की गई।

## en l[;k &18

**साहित्य विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की दिनांक : 02.05.2016 को हुई बैठक का कार्यवृत्त :**

साहित्य विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की दिनांकः 02.05.2016 को हुई बैठक के कार्यवृत्त को संकायाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसे निम्नांकित निर्णयों के साथ स्वीकृति प्रदान की गई :

1. गाइड का नाम और शोध का शीर्षक निश्चित होने के बाद ही शोधार्थी को फेलोशिप दी जाए।
2. एम.फिल./पी–एच.डी. शोधार्थियों की सप्ताह में 5 दिन उपस्थिति अनिवार्य हो तथा तदनुसार फेलोशिप का भुगतान समय पर वित्त विभाग द्वारा किया जाए।
3. प्रदर्शनकारी कला विभाग के वर्ष 2014–15 के शोधार्थी श्री विजय लाल कनौजिया की शारीरिक चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें इलाहाबाद में शोध जारी रखने की विशेष अनुमति प्रदान की गई।
4. डॉ. विधु खरे दास को शोध निर्देशक बनाने के संबंध में प्राप्त आवेदन पर चर्चा हुई। विचार–विमर्श के उपरांत इस आशय के साथ सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई कि वे संबंधित अध्यादेश में उल्लिखित अर्हता की पुष्टि होने पर उन्हें स्वीकृति दी जाए।

## en l[;k &19

**दूर शिक्षा निदेशालय के अध्ययन मंडल की छठी बैठक का कार्यवृत्त :** दूर शिक्षा निदेशालय के अध्ययन मंडल की दिनांकः 03.05.2016 को हुई छठी बैठक के कार्यवृत्त को निदेशक द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यवृत्त को स्वीकृति प्रदान की गई।

## अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

en l[;k &20

**पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम :** सामाजिक उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए 'पर्यावरण अध्ययन' का डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर स्तर का पाठ्यक्रम आरंभ किए जाने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। पाठयक्रमों के प्रारूप को अगली बैठक में प्रस्तुत किए जाने का निर्णय लिया गया।

en l[;k &21

**'अर्न व्हाइल लर्न' योजना :** एम.ए., एम.फिल. के जरूरतमंद विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए 'अर्न व्हाइल लर्न' के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए पी–एच. डी. शोधार्थियों से अपेक्षा की गई कि वे निःशुल्क सहयोग करें।

en l[;k &22

**पी–एच.डी. सीटों का विज्ञापन :** शोध निर्देशक की विशेषज्ञता तथा शोध क्षेत्र के अनुसार पी–एच.डी. सीटों का विज्ञापन दिए जाने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान करते हुए अगले अकादमिक वर्ष से लागू किए जाने का निर्णय लिया गया।

en l[;k &23

**विद्यार्थी प्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्ताव :** विद्या–परिषद में नामित विद्यार्थी प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को नोट किया गया।

केंद्रीय पुस्तकालय में विभिन्न विषयों से संबंधित श्रेष्ठ एवं प्रचलित पुस्तकों को उपलब्ध करवाए जाने के संबंध में विद्या–परिषद अवगत हुई कि इस हेतु गठित समिति की अनुशंसाओं के आधार पर कार्रवाई की जाती है। पुस्तकालय के अध्ययन–कक्ष में कूलर, फोटोस्टेट मशीन तथा जलपान हेतु दुकान के साथ–साथ प्रत्येक विभाग में प्रोजेक्टर आदि सुविधाएं पहले से उपलब्ध करवाई जा चुकी हैं।

कुलपति द्वारा सूचित किया गया कि एम.ए. स्तर पर छात्रवृत्ति जरूरतमंद विद्यार्थियों को दी जा रही है। परिसर में सर्कुलर यातायात, नए महिला छात्रावास एवं मेस के संबंध में कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

अन्य बिंदुओं में विभागीय पुस्तकालय की समयावधि निश्चित करने, विद्यार्थियों के अभिभावकों हेतु अतिथि–गृह में जगह उपलब्ध करवाने, पीने के पानी की गुणवत्ता और छात्रवृत्ति के शीघ्र भुगतान के संबंध में निर्णय लेने हेतु कुलपति को अधिकृत किया गया।

विद्या–परिषद का मानना था कि सप्ताह में 2 से 3 दिन एक निश्चित समय पर शोधार्थियों के लिए अध्यापक विभाग में उपलब्ध रहें। सभी विभागाध्यक्ष अपनी विभागीय सुविधानुसार इसके लिए समय निर्धारित करें और उसका अनुपालन सुनिश्चित करें। इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी डाला जाए तथा कोई परिवर्तन होने पर पहले से जानकारी दी जाए।

प्रतिकुलपति, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा के इस सुझाव का भी स्वागत किया गया कि विद्यार्थियों का एकमुश्त सामूहिक बीमा करवाने पर विचार किया जाए और तत्संबंधी राशि विद्यार्थियों से वार्षिक शुल्क के रूप में प्राप्त की जाए।

पदेन सचिव द्वारा माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यों के प्रति कृतज्ञता–ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

**(डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र)**
**कुलसचिव एवं पदेन सचिव : विद्या–परिषद**